॥अथअवग्रहणिहोत्रप्रारंभ॥

श्रीगतोद्गायनमः॥ अथ अन्वारभणियहोत्रप्रारंभा॥ दर्शपूर्णमासावारभ्यमानोन्वारंभणिया॥ नमःप्रवक्रइत्यादि पंचदशसामिधेन्यः॥ ओंवौहुवै॥ अग्निमग्न आवह॥ सोममा०॥ बहूरचानाप्रधानस्यहपाशुतंत्रे॥ हिरण्यकेशीनायुवै॥ अग्नाविष्णू आ०॥ सरस्वतिमा०॥ सरस्वतमो०॥ अग्निभगिनमा०॥ देवाआजपामित्यादि॥ उतमप्रयाजे॥ येऽहेस्वाहाग्निस्वाहासोमेस्वाहाअग्नाविष्णुस्वाहासरस्वतिंस्वाहासरस्वंतंस्वाहाग्निभगिनेस्वाहादेवाआजपा०॥ वात्रन्यावाजभागोप्रधानस्य॥ अग्नाविष्णुसजोष०गिरः॥ द्युम्ने०गतो३॥ ये०हेअग्नाविष्णुअग्नाविष्णुमहिधामप्रियवा०जुषाणा॥ दमेदमेसुष्टुति०रण्या३वोषट्॥ पावकानःसर०वति॥ यज्ञं०वसो३॥ ये०हेसरस्वतिपाविरवि०धात्॥ आमिर०येसौ औषट्॥ पीपिवांसं०दर्शतश्रु॥ मस्मि०मिषो३॥ ये०हेसरस्वंतंदिव्यंसुपर्णं०धीना॥ अग्निपतो०हविः

॥१॥

मी३वोषट्॥ आसवंस०हुवे॥ अग्नीसमु०ससो३॥ ये०हेग्निभगिनंसनोराधास्यां०यहो॥ भाग०वार्यो३वोषट्॥ स्विष्टकृत॥ पिप्रि०जेहा॥ येदेव्या०जिषे३॥ ये०हेग्निस्विष्टकृतमयाक्राग्नेरग्नेःप्रिया०सोमस्यप्री०कमाविष्णोग्नि०सरस्वत्याग्नि०सरस्वतःप्री०कमेभगिनःग्नि०दवो०हविरग्ने०यजा॥ कृता०अग्या३वोषट्॥ सुक्तवाके॥ अग्निरिदं॥ सोमइदं॥ अग्नाविष्णुइदं०वता०धेतो०क्रांतां॥ सरस्वतिदं॥ सरस्वतइद॥ अग्निभगिदं०वंता०धंत०कृता॥ देवाआज्यपाइत्यादिसर्वंस्थाजपेत्प्रकृतिवत्॥॥ इतिअन्वारभणिहोत्रफडके सुपनामनिरामण्यात्मजसदाशिवेनलिखितं॥ स्वार्थपरार्थंच॥ ५५॥ ५५॥ ५५॥ ५५॥ श्रीराम

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June, 2017

अन्याय
॥२॥८

॥इतिअग्न्याधानहोत्रसमाप्तः॥

DR. BHAU DAJI
डाक्टर भाऊदाजीद्रव्यसंग्रहालयस्थापकम्
राम
H२॥८